चित्रकूट धाम का असली बड़ा नकशा

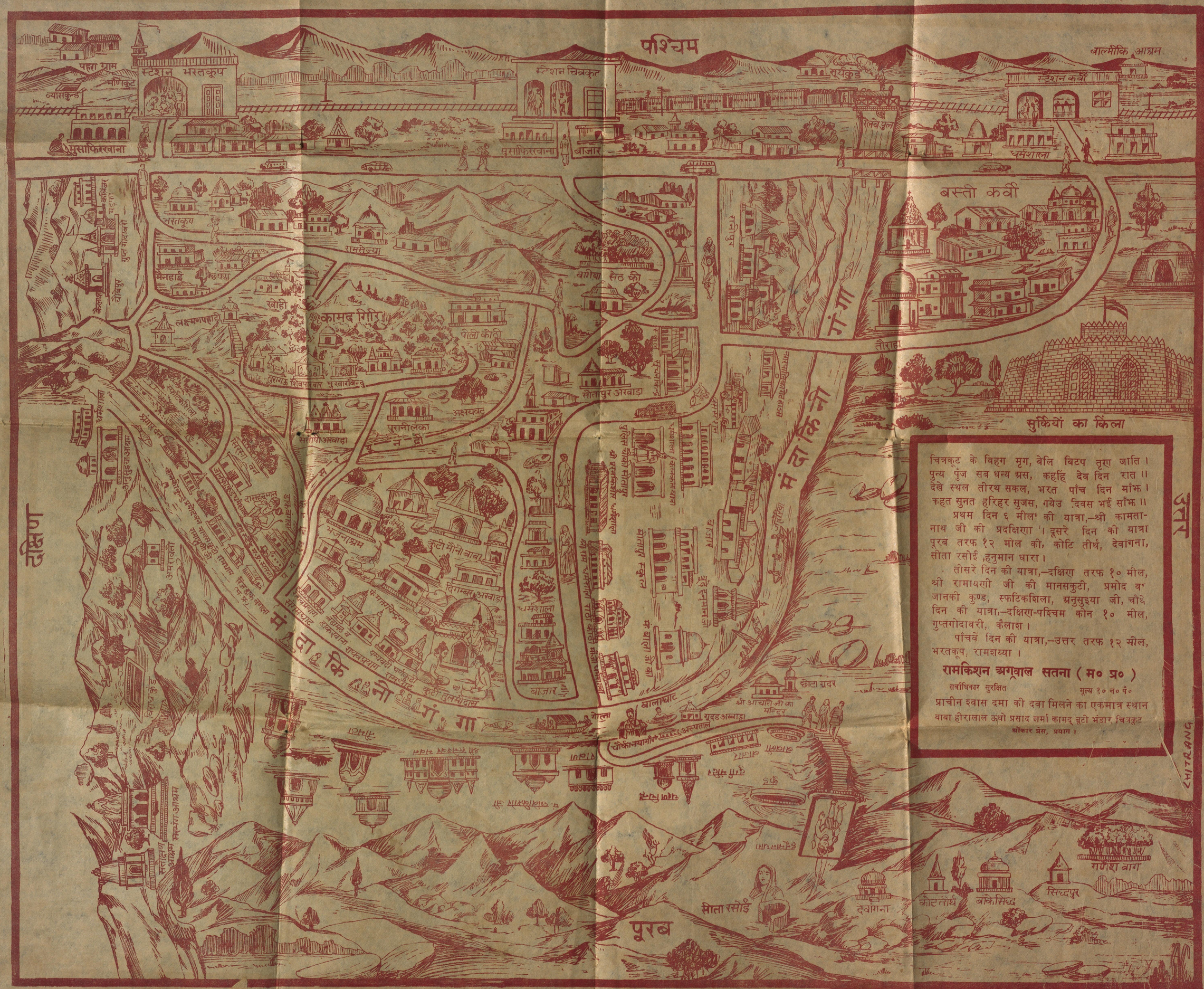

चित्रकूट के विहग मृग, बेलि बिटप तृण जाति।
पुन्य पुंज सब धन्य अस, कहहिं देव दिन रात॥
देखे स्थल तीरथ सकल, भरत पाँच दिन माँझ।
कहत सुनत हरिहर सुजस, गयेउ दिवस भई साँझ॥

प्रथम दिन ६ मील की यात्रा,–श्री कामतानाथ जी की प्रदक्षिणा। दूसरे दिन की यात्रा पूरब तरफ १२ मील की, कोटि तीर्थ, देवांगना, सीता रसोई, हनुमान धारा।

तीसरे दिन की यात्रा,–दक्षिण तरफ १० मील, श्री रामायणी जी की मानसकुटी, प्रमोद व जानकी कुण्ड, स्फटिकशिला, अनुसुइया जी, चौथे दिन की यात्रा,–दक्षिण-पश्चिम कोन १० मील, गुप्तगोदावरी, कैलाश।

पाँचवें दिन की यात्रा,–उत्तर तरफ १२ मील, भरतकूप, रामशय्या।

रामकिशन अग्रवाल सतना (म० प्र०)

सर्वाधिकार सुरक्षित मूल्य १० न० पै०

प्राचीन श्वास दमा की दवा मिलने का एकमात्र स्थान
बाबा हीरालाल ऊधो प्रसाद शर्मा कामद बूटी भंडार, चित्रकूट

ओंकार प्रेस, प्रयाग।